The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-01, April-2025
www.theresearchdialogue.com

"भारतीय ज्ञान परम्परा में 'स्व' की अवधारणा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – के सन्दर्भ में"

डॉ0 अक्षय कुमार
(असिस्टेंट प्रोफेसर)
शिक्षक शिक्षा संकाय,
आर0बी0एस0 कॉलेज, आगरा

NEP–2020 भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में पुनस्थापित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस नीति में 'स्व' की अवधारणा को विशेष रूप से महत्व दिया गया है जो आत्म–परिचय, सांस्कृतिक मूल्यों, और समग्र विकास पर आधारित है।

NEP-2020 में 'स्व' की अवधारणा का समावेश –

NEP 2020 शिक्षा को केवल रोजगारोन्मुखी बनाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि यह छात्रों को आत्मनिर्भर, (Self-reliant) आत्म जागरूक (Self-aware) और सांस्कृतिक रूप में समृद्ध बनाने का लक्ष्य रखती है। इसके प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित

1. **मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं में शिक्षा** – यह 'स्व' की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती है, जिससे छात्र अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं।
2. **भारतीय परम्पराओं और मूल्यों को पाठ्यक्रम में शामिल करना** – नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान प्रणाली, वेद, योग, आयुर्वेद, खगोल विज्ञान और तर्कशास्त्र को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की बात कही गई है।
3. **समग्र विकास और नैतिक शिक्षा** – विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास पर जोर दिया गया है, जिससे वे स्वयं को बेहतर तरीके से समझ सकें।

4. **कौशल विकास और आत्मनिर्भरता** – 'स्व' की पहचान केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी होनी चाहिए। इसलिए नई शिक्षा नीति में उद्यमिता, नवाचार और व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया गया है।
5. **स्वदेशी ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा** – पारंपरिक भारतीय कला, शिल्प, वास्तुकला और साहित्य को शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है।

1. **स्व–परिचय (Self –Realization)** – आत्मा और ब्रह्म की एकता की खोज (उपनिषदों में 'अहं ब्रह्मस्मि')
2. **स्व–निर्भरता (Self-Reliance)** – आत्म निर्भरता, भारत की भावना, जिसमें व्यक्ति समाज और राष्ट्र की उन्नति शामिल है।
3. **स्वधर्म (Personal Duty)** – व्यक्ति का अपने जीवन में सही कर्त्तव्य पालन, जो भगवद्गीता में महत्वपूर्ण रूप से बताया गया है।
4. **स्व–अनुशासन (Self-Discipline)** – योग और ध्यान के माध्यम से आत्म–संयम और आत्म विकास

1. आत्म–परिचय और सांस्कृतिक गौरव –

NEP 2020 शिक्षा को भारतीयता से जोड़ते हुए छात्रों को अपनी जड़ों से अवगत कराने का कार्य करती है।

- ❖ भारतीय इतिहास परम्परा, कला, संगीत और दर्शन को शिक्षा प्रणाली में शामिल किया गया है।
- ❖ प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों (नालंदा, तक्षशिला) के मॉडल को फिर अपनाने की पहल की गई है।

2. मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा –

- ❖ NEP 2020 का एक प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को मातृभाषा में प्रारम्भिक स्तर पर उपलब्ध कराना है, जिससे बच्चे अपनी संस्कृति से जुड़े रहे।
- ❖ यह 'स्व' की अभिव्यक्ति को मजबूत करता है और ज्ञान को अधिक प्रभावी बनाता है।

3. स्वाध्याय और स्वअनुशासन –

- ❖ शिक्षा प्रणाली को इस तरह डिजाइन किया गया है कि छात्र स्वयं सीखने की क्षमता विकसित कर सकें।
- ❖ पाठ्यक्रम को लचीला बनाया गया है ताकि छात्र अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकें।
- ❖ योग और ध्यान को शिक्षा प्रणाली में जोड़ा गया है ताकि आत्म नियंत्रण और मानसिक शांति को बढ़ावा मिले।

4. आत्मनिर्भरता और कौशल विकास –

- ❖ भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने की दिशा में NEP 2020 व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देती है।
- ❖ शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर रोजगारपरक बनाया गया है, जिससे छात्र अपनी आजीविका को स्वयं सुनिश्चित कर सकें।
- ❖ व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए गये है।

5. 'स्व' से 'समाज' और 'विश्व' की ओर –

- ❖ शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन न मानकर समाज और राष्ट्र की सेवा के रूप में देखा गया है।
- ❖ नीति में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर जोर दिया गया है, जिससे व्यक्ति न केवल अपने लिए, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए कार्य करें।
- ❖ भारतीय शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और प्रभावी बनाने के लिए शोध और नवाचार को बढ़ावा दिया गया है।

यह नीति 'स्व' में 'समाज' और 'समाज' से 'विश्व' तक की यात्रा को प्रतिविबिंत करती है, जिससे भारत एक सशक्त, आत्मनिर्भर और नैतिक मूल्यों से युक्त राष्ट्र के रूप में उभर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 'स्व' की इस आवधारणा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में पुनः स्थापित करती है।

स्व–शिक्षा और नवाचार – पाठ्यक्रम को लचीला बनाया गया है ताकि छात्र अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन कर सके।

- ❖ ई–लर्निंग, डिजिटल शिक्षा और रिसर्च को बढ़ावा दिया गया है ताकि विद्यार्थी स्व–शिक्षा की ओर बढ़ें।
- ❖ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और समस्याओं का समाधान निकालने की क्षमता दी जा रही है।

स्वनिर्भरता और व्यावसायिक शिक्षा –

- ❖ NEP 2020 का एक प्रमुख उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करना है।
- ❖ कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को स्कूली शिक्षा से ही जोड़ा गया है।
- ❖ स्टार्टअप, उद्यमिता (Entrepreneurship) और नवाचार को बढ़ावा दिया गया है ताकि विद्यार्थी सिर्फ नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बने।

स्वधर्म और नैतिक मूल्यों पर बल –

- ❖ नीति में नैतिक शिक्षाद्व जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया गया है।
- ❖ योग, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा प्रणाली में शामिल किया गया है।
- ❖ छात्रों में नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना विकसित करने के लिए शिक्षा को व्यावहारिक बनाया गया है।

'स्व' से 'विश्व' तक की यात्रा –

- ❖ NEP 2020 भारत की ज्ञान परम्परा को केवल राष्ट्रीय स्तर पर सीमित नहीं रखता, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास करता है।
- ❖ 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को अपनाते हुए भारत को 'ग्लोबल नॉलेज हब' बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, अनुसंधान और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है।

निष्कर्ष –

NEP 2020 'स्व' की अवधारणा को भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुरूप आधुनिक सन्दर्भ में पुनर्परिभाषित करती है। यह नीति छात्रों को न केवल बौद्धिक रूप से, बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक रूप से भी सशक्त बनाने का प्रयास करती है। 'स्व' की यह पुनर्स्थापना शिक्षा को केवल

ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे आत्मबोध, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ती है।

इस नीति के माध्यम से नीति की शिक्षा प्रणाली पुनः अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हो रही है, जहाँ ज्ञान केवल सूचनाओं तक सीमित नहीं रहेगाद्व बल्कि यह जीवन को सार्थक और समग्र रूप से विकसित करने का माध्यम बनेगा।

THE RESEARCH DIALOGUE
Manifestation Of Perfection

संदर्भ ग्रंथ सूची

- Polity (लक्ष्मीकान्त) McGraw Hill Publication, 2013
- UGC NET (दर्शनशास्त्र) Arihant से पब्लिकेशन, 2024
- भगवद्गीता (2021) गीता प्रेस, गोरखपुर, उ0प्र0।
- मनोरमा ईयर बुक (2024)
- नई शिक्षा नीति (2020), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- Chat GPT
- यूनवर्सिटी न्यूज : उच्च शिक्षा की साप्ताहिक पत्रिका, आई0एस0एस0एन0 नं0 : 0566–2257, वॉल्यूम नं0 : 63, फरवरी – 17–23, 2025
- यूनवर्सिटी न्यूज : उच्च शिक्षा की साप्ताहिक पत्रिका, आई0एस0एस0एन0 नं0 : 0566–2257, वॉल्यूम नं0 : 6, फरवरी – 10–16, 2025

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed /Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-01, April-2025
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number April-2025/16
Impact Factor (RPRI-4.73)

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 अक्षय कुमार

for publication of research paper title

"भारतीय ज्ञान परम्परा में 'स्व' की अवधारणा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 –के सन्दर्भ में"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-04, Issue-01, Month April, Year-2025.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY